चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.6.21	2	1-2

हरियाणा की लोक संस्कृति स्वांग के संवर्धन में जुटा एचएयू, महिला स्वांग कलाकार डॉ. संध्या सम्मानित

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परम्परा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। यूनिवर्सिटी से सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी परम्परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला स्वांग कलाकार हैं जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने उन्हें सम्मानित किया।

इस दौरान उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद राशि प्रदान की गई। वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने डॉ. संध्या शर्मा बधाई दी। विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विलुप्त होती स्वांग परम्परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास

की प्रशंसा करते करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि एचएयू एकमात्र ऐसा संस्थान हैं जहां लोक संस्कृति को पाठ्यक्रम में विषय के रूप में शामिल किया गया है। डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनों-दिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुनः जीवित करना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से भी उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.6.21	3	3-4

डॉ. संध्या शर्मा को महिला स्वांग के लिए किया सम्मानित

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा को हाल ही में मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने महिला स्वांग के लिए सम्मानित किया।

उन्हें प्रशंसापत्र व नकद राशि प्रदान की गई। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने डॉ. संध्या शर्मा बधाई दी। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा संस्थान हैं, जहां लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल किया है। डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनोंदिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुनः जीवित करना है। विश्वविद्यालय की तरफ से भी उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।

डॉ. संध्या शर्मा को बधाई देते एचएयू कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.6.21	3	1-2

'डॉ. संध्या को महिला स्वांग के लिए किया सम्मानित'

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य डॉ. संध्या शर्मा को बधाई देते हुए।

हिसार, 10 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य पर परा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है।

विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी पर परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें हाल ही में प्रदेश के मु यमंत्री मनोहर लाल एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने उन्हें स मानित किया। इस दौरान उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद राशि प्रदान की गई। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. का बोज ने डॉ. संध्या शर्मा बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विलुप्त होती स्वांग पर परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान, शिक्षा एवं खेलों में बल्कि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ रहा है और निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनों-दिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुनः जीवित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	11.6.21	8	3

स्वांग परंपरा को बढ़ाने वाली संध्या सम्मानित

हिसार, 10 जून (निस)

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परंपरा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय से सहायक प्रो. संध्या शर्मा इसी परंपरा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं, जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने उन्हें सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विलुप्त होती स्वांग परम्परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनों-दिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुनः जीवित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	11.6.21	9	7-8

लोक संस्कृति सांग के संवर्धन में जुटा एचएयू

- डॉ. संध्या शर्मा को महिला स्वांग के लिए किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परम्परा सांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी परम्परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं जो सांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें हाल ही में मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद राशि प्रदान की गई। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने डॉ. संध्या शर्मा बधाई दी। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विलुप्त होती सांग परम्परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या को शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान, शिक्षा एवं खेलों में बल्कि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ रहा है और निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। ज्ञात रहे कि डॉ. सतीश कश्यप ने भी सांग को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

हिसार। डॉ. संध्या शर्मा के साथ हकृवि कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	10.06.2021	--	--

महिला सांगी डॉ. संध्या शर्मा सम्मानित

हिसार/10 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परम्परा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी परम्परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें हाल ही में मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने डॉ. संध्या शर्मा को बधाई देते हुए विलुप्त होती स्वांग परम्परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान, शिक्षा एवं खेलों में बल्कि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ रहा है और निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा संस्थान हैं जहां लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि निदेशालय का हरियाणा फोक लोर एवम् कल्चर विभाग लोककला एवं लोक-संस्कृति को संवर्धित करने में लगातार प्रयासरत है। एचएयू के विद्यार्थी न केवल लोक-साहित्य व संस्कृति को समझ रहे हैं बल्कि समय-समय पर ऑल इंडिया एग्री यूनिफेस्ट के माध्यम से लोककला का प्रस्तुतीकरण भी करते हैं। ज्ञात रहे कि डॉ. सतीश कश्यप ने भी सांग को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनों-दिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुन: जीवित करना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से भी उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**10.06.2021**	--	--

हरियाणा की लोक संस्कृति स्वांग के संवर्धन में जुटा एचएयू

डॉ. संध्या शर्मा को महिला स्वांग के लिए किया सम्मानित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परम्परा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी परम्परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें हाल ही में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद राशि प्रदान की गई। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने डॉ. संध्या शर्मा बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विलुप्त होती स्वांग परम्परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान, शिक्षा एवं खेलों में बल्कि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ रहा है और निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

एचएयू एकमात्र संस्थान जहां लोक-संस्कृति पाठ्यक्रम का हिस्सा

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा संस्थान हैं जहां लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि निदेशालय का हरियाणा फोक लोर एवं कल्चर विभाग लोककला एवं लोक-संस्कृति को संवर्धित करने में लगातार प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में समय-समय पर सेमिनार, बर्कशॉप, उत्सव आदि का आयोजन एवं युवा पीढ़ी की सहभागिता लोकसंस्कृति को निरंतर आगे बढ़ाने में- महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एचएयू के विद्यार्थी न केवल लोक-साहित्य व संस्कृति को समझ रहे हैं बल्कि समय-समय पर ऑल इंडिया एग्री यूनिफेस्ट के माध्यम से लोककला का प्रस्तुतीकरण भी करते हैं। ज्ञात रहे कि डॉ. सतीश कश्यप ने भी सांग को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्राचीन एवं मूल स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाना है लक्ष्य

डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनों-दिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुनः जीवित करना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से भी उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.06.2021	--	--

हरियाणा की लोक संस्कृति स्वांग के संवर्धन में जुटा एचएयू
डॉ. संध्या शर्मा को महिला स्वांग के लिए किया सम्मानित

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परम्परा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी परम्परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके लिए उन्हें हाल ही में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं कला संस्कृति मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद राशि प्रदान की गई। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने डॉ. संध्या शर्मा बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विलुप्त होती स्वांग परम्परा को बचाने के लिए डॉ. संध्या शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान, शिक्षा एवं खेलों में बल्कि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ रहा है और निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा संस्थान हैं जहां लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि निदेशालय का हरियाणा फोक लोर एवम् कल्चर विभाग लोककला एवं लोक-

संस्कृति को संवर्धित करने में लगातार प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में समय-समय पर सेमिनार, वर्कशॉप, उत्सव आदि का आयोजन एवं युवा पीढ़ी की सहभागिता लोकसंस्कृति को निरंतर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एचएयू के विद्यार्थी न केवल लोक-साहित्य व संस्कृति को समझ रहे हैं बल्कि समय-समय पर ऑल इंडिया एग्री यूनिफेस्ट के माध्यम से लोककला का प्रस्तुतीकरण भी करते हैं। ज्ञात रहे कि डॉ. सतीश कश्यप ने भी सांग को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्राचीन एवं मूल स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाना है लक्ष्य

डॉ. संध्या शर्मा के अनुसार उनका मकसद दिनों-दिन लुप्त हो रही प्रदेश की लोक कला व संस्कृति को पुन: जीवित करना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से भी उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	10.06.2021	--	--

हरियाणा की लोक संस्कृति स्वांग के संवर्धन में जुटा हरियाणा कृषि विवि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दिनों-दिन लुप्त होती जा रही देश की प्राचीनतम लोकधर्मी नाट्य परम्परा स्वांग के संवर्धन में जुटा हुआ है। सहायक प्रोफेसर डॉ. संध्या शर्मा इसी परम्परा को आगे बढ़ाने वाली ऐसी महिला सांगी हैं जो स्वांग मंडली का प्रतिनिधित्व करती हैं। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान, शिक्षा एवं खेलों में बल्कि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ रहा है और निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य डॉ. संध्या शर्मा को बधाई देते हुए।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा संस्थान हैं जहां लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। एचएयू के विद्यार्थी न केवल लोक-साहित्य व संस्कृति को समझ रहे हैं बल्कि समय-समय पर ऑल इंडिया एग्री यूनिफेस्ट के माध्यम से लोककला का प्रस्तुतीकरण भी करते हैं। ज्ञात रहे कि डॉ. सतीश कश्यप ने भी सांग को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी	10.06.2021	--	--

हरियाणा की लोक संस्कृति स्वांग के संवर्धन में जुटा एचएयू

© Jun 10, 2021 • haryana bjp, haryana congress, haryana sarkar, [illegible]

डॉ. संध्या शर्मा को महिला स्वांग के लिए किया सम्मानित

[illegible]

एचएयू एकमात्र संस्थान जहां लोक-संस्कृति पाठ्यक्रम का हिस्सा

[illegible]

प्राचीन एवं मूल स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाना है लक्ष्य

[illegible]